loans are provided, which can be utilised by the State Electricity Boards and Po wer Utilities for hiring consultants to advise them in activities related to preparation of proposals, bid preparation, evaluation and selection of Independent Power Producers, negotiating Power Purchase Agreements, Fuel Supply and other associated agreements.

Prasar Bharati Act

* 15. SHRI N. GIRI PRASAD:
SHRI CHATURANAN MISHRA:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Prasar Bharati Act has lost its relevance with the emergence of Satellite TV and its influence on Doordarshan; and

(b) if so, the details thereof and what are Government's plans regarding the Act?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): (a) and (b) No, Sir. However, certain changes, inter-alia, in the pro posed organisational structure of the Corporation, are warranted in the light of the rapidly changing broadcast ing scenerio because of the increased in ternational satellite broadcasting in this part of the world. The details in this regard are being finalised.

सूती धागे की कीमतों में वृद्धि

***15. श्री राम जेठमलानी :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में हथकरघा उद्योग में विशेष रूप से प्रयोग में आने वाले 40 काऊंट तक के सूती धागे की कीमतों में निरन्तर वृद्धि हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो नवम्बर, 1992, 1993 और नवम्बर, 1994 के दौरान 10, 20, 30 और 40 काऊंट के सूती धागे की कीमतें क्या-क्या थीं;

(ग) क्या यह भी सच है कि सरकार ने सूती धागे की कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिये अनेक कदम उठाये थे;

(घ) यदि हां, तो इन कदमों का ब्यौरा क्या है और क्या हथकरघा बुनकरों को इन कदमों से प्रत्यक्ष लाभ हुआ है; और

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी० वेंकटें स्वामी) : (क) अक्तूबर, 1994 के दौरान 40 काऊंट तक के सूती हैंक यार्न के मूल्यों में वृद्धि हुई । तथापि मई, 1994 स इनके मूल्यों में गिरावट आई और मई से अक्तूबर, 1994 की अवधि के दौरान इनके मूल्य स्थिर रहे । कच्ची कपास के मूल्यों में हुई वृद्धि के कारण नवम्बर, 1994 से सूती हैंक यार्न के मूल्यों में पुनः वृद्धि आरंभ हो गई ।

(ख) नवम्बर, 1992, 1993 व नवम्बर, 1994 के दौरान 10, 20, 30 और 40 काऊंट तक के सुती धागे के मूल्य इस प्रकार थे:—

काऊंट	नवम्बर, 92	नवम्बर, 93	नवम्बर, 94
10 एस	36.21	38.37	66.33
20 एस	53.90	55.25	81.36
30 एस	61.03	61.38	87.56
40 एस	67.65	68.95	97.34